Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—0907

PAPER—III

EDUCATION

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

EDUCATION

शिक्षा

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Universities have a critical role to play in responding to the wide-ranging aims of the curricular framework, especially in emphasising and encouraging pluralism in education, addressing the needs of children, and integrating new curricular areas. There is an urgent need to expand the knowledge base of education keeping in view the diverse socio-cultural contexts to which children belong as well as the complex nature of classroom realities in India. University departments of education, social science as well as the sciences should be urged to include the study of education in their research agenda. Multidisciplinary and collaborative research bringing together scholars from different disciplines would be particularly important in generating a research base that is critical for translating the ideas in the curriculum framework into enabling classroom practices. At the same time, universities need to keep their doors open to children coming from schools with unusual and interesting combinations of study. Rather than using admission criteria to eliminate, they should remain inclusive and encouraging of diversity of interests, pursuits and opportunities. Such open and inclusive admission policies are also crucial if children are to seriously consider vocational courses of study as non-terminal options.

Institutions of higher education have an important role to play in teacher education and in enhancing the professional status not only of secondary school teachers but also elementary school-teachers. For the, 'reflective teacher' who possesses the professional competence and orientation that the curriculum framework rests on, it will be necessary to review and restructure teacher education programmes. Equally important will be the sustained involvement of scholars in curriculum development, writing and reviewing textbooks as part of a collaborative exercise, which brings together practitioners and academics with diverse expertise. Higher education can also provide space for reflection, discussion and debate on educational ideas and practices as well as facilitate the interface between schools and policy makers.

पाठ्यचर्या ढाँचे के विस्तृत लक्ष्यों के प्रति विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, विशेषकर शिक्षा में बहुलतावाद को प्रोत्साहित करने संबंधी प्रयासों में, बच्चों की आवश्यकताओं और नए पाठ्यचर्या क्षेत्रों को समाकलित करने के संदर्भ में। विद्यार्थियों के विविध सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों और भारत में कक्षा संबंधी जटिलताओं को देखते हुए शिक्षा में ज्ञान के आधार को विस्तृत किए जाने की तत्काल आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विभागों को

अपने शोध के अंतर्गत शिक्षा के अध्ययन को शामिल कर लेना चाहिए। बहु-अनुशासनात्मक व साझे शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए जिसमें अलग-अलग अनुशासनों के लोग हों। ऐसा करना पाठ्यचर्या की संरचना को व्यावहारिक रूप देने के लिए शोध आधार तैयार करने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होगा। साथ ही विश्वविद्यालयों को अपने दरवाजे ऐसे विद्यार्थियों के लिए खोलने की ज़रूरत है जो कुछ अनूठा, कुछ उल्लेखनीय विषय पढ़कर आए हों। बजाए छाँटने वाली प्रवेश प्रक्रिया अपनाने के विश्वविद्यालयों को इस मामले में समावेशी होना चाहिए और उन्हें अलग-अलग रुचियों, अवसरों आदि को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। इस प्रकार की उदार प्रवेश प्रक्रिया इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, ताकि विद्यार्थी कोई व्यावसायिक अध्ययन विषय को गंभीरता से असात्रिक विषय के रूप में पढ़ने का भी विचार कर सकें।

उच्च शिक्षा संस्थाओं की 'शिक्षक-शिक्षा' और उसके व्यावसायिक स्तर के विकास में बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका है, न सिर्फ माध्यमिक स्तर बल्कि प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए भी । पेशेवर दक्षता वाले चिंतनशील शिक्षकों के लिए जो पाठ्यचर्या की रूपरेखा में रेखांकित व्यावसायिक दक्षताएँ एवं जानकारी रखते हैं। जिनका ऐसा अभिमुखीकरण है, वे ही इन प्रयासों का आधार बन सकते हैं। शिक्षक-शिक्षा के वर्तमान ढाँचे में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है। उतना ही आवश्यक होगा-पाठ्यचर्या के विकास के कार्य में विद्वानों का लगातार सहयोग पाठ्यपुस्तकों का लेखन और उनका सामूहिक रूप से पुनरीक्षण, जो विविध शिक्षा वाले अकादमिकों और पेशेवरों को एक साथ जोड़कर हो। उच्च शिक्षा में चिंतन, विचार-विमर्श, शिक्षा के विचारों एवं व्यवहार पर विचार करने हेतु अवसर प्रदान किए जाएँ और स्कूलों एवं नीति निर्माताओं के बीच आपसी रिश्ता बढ़ाने पर जोर दिया जाए।

1. How do the universities expand and disseminate knowledge for school education ?

स्कूली शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय किस प्रकार ज्ञान का प्रसार और प्रचार कर सकता है?

2. How do the advanced researches in Education assist in developing school curriculum ?

स्कूल पाठ्यक्रम के विकास में शिक्षा के क्षेत्र में एड्वांस शोध किस प्रकार सहायक हो सकती है।

3. What are the opportunities, provided by the university to explore and encourage school children ?

स्कूली बच्चों का अन्वेषण और प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय क्या अवसर प्रदान कर रहे हैं।

4. What important role that the institution of Higher education do play in enhancing the professional status of teachers ?

शिक्षकों की व्यावसायिक स्थिति को बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षण संस्थान क्या महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है?

5. What is the necessity to bring together the educational practioners and policy makers in platform ?

शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करनेवाले एवं शिक्षा नीति बनानेवालों को एक मंच पर लाने की क्या आवश्यकता हैं?

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions numbered 6 to 20 each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं, जिनके क्रमांक 6 से 20 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. How philosophy and education are related to each other ?

दर्शन और शिक्षा आपस में किस प्रकार संबंधित हैं?

7. Explain the basic principles of metaphysics of idealism :
आदर्शवाद के तत्त्वमीमांसा के मूल सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

8. Discuss the relevance of Gandhian education in the context of modern education :
आधुनिक भारत के संदर्भ में गांधी जी की शिक्षा के महत्त्व की चर्चा कीजिए।

9. Define the concept and scope of educational sociology.

शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना और क्षेत्र के बारे में समझाइए।

10. Explain the role of education in preserving the culture of the society.

समाज की संस्कृति की सुरक्षा के लिए शिक्षा की भूमिका के बारे में समझाइए।

11. What is socialisation ? Mention the functions of any one agency of socialisation.

समाजीकरण क्या है? समाजीकरण की एक एजेंसी के कार्यों की चर्चा कीजिए।

12. Discuss the educational implications of Skinner's theory of learning.

स्किनर के अधिगम सिद्धान्त के शैक्षिक निहितार्थ की चर्चा कीजिए।

13. Discuss the trait theory of personality.

व्यक्तित्व के विशिष्टता सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।

14. Define "concept". Explain the process of concept formation.

'संकल्पना' की व्याख्या कीजिए, संकल्पना निर्माण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

15. What are the techniques used for assessment of personality ? Elaborate any one of them.

व्यक्तित्व के मूल्यांकन में प्रयुक्त तकनीक क्या है? किसी एक को विस्तार से बताइए।

16. Define 'hypothesis'. Explain the meaning of null hypothesis with example.

'परिकल्पना' की व्याख्या दीजिए। नल-हाइपोथिसिस का अर्थ उदाहरण सहित समझाइए।

17. Discuss the characterstics of Normal Probability Curve.

नार्मल-प्रोबबिलिटी वक्र के लक्षणों के बारे में चर्चा कीजिए।

18. What is sampling ? Discuss stratified random sampling method.

नमूना क्या है? यादृच्छिक नमूना पद्धति के स्तर की चर्चा कीजिए।

19. Explain the relevance of educational counselling in the school.

स्कूल में शैक्षिक परामर्श के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

20. Give the characteristics of a counsellor.

परामर्शदाता की विशेषताएँ बताइए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. (Questions 21 to 25)

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। (प्रश्न 21 से 25)

(12x5=60 अंक)

Elective - I

(Educational Administration and Management)

ऐच्छिक – I

21. Discuss the Human relations approach in Educational Administration.

शैक्षिक प्रशासन में मानव संबंध उपगम की व्याख्या कीजिए।

22. Define 'Leadership'. Discuss different styles of Leadership in Educational Administration.

नेतृत्व की परिभाषा दीजिए। शैक्षिक प्रशासन में विभिन्न प्रकार के नेतृत्व की चर्चा कीजिए।

23. What is perspective planning ? Explain its merits and demerits.

सापेक्ष योजना क्या है? उसके लाभ-हानियाँ बताइए।

24. How does supervision promote educational leadership ? Discuss.

निरीक्षण किस प्रकार शैक्षिक नेतृत्व को बढ़ाने में सहायता करता है? चर्चा कीजिए।

25. Discuss the concept and importance of PERT in Educational Administration.

शैक्षिक प्रशासक में पी.ई.आर.टी. की संकल्पना और उसके महत्व को समझाइए।

OR / अथवा

Elective - II

(Educational Measurement and Evaluation)

ऐच्छिक – II

21. Define 'Validity'. Distinguish between concurrent and construct validity.

'वैधता' को परिभाषित कीजिए। कॉनकरंट और कॉनस्ट्रक्ट वैधता में भेद बताइए।

22. Compare the characteristics of subjective and objective tools of evaluation.

मूल्यांकन के व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ उपकरणों के विशेषताओं की तुलना कीजिए।

23. Discuss the different types of evaluation.

विभिन्न प्रकार के मूल्यांकनों की चर्चा कीजिए।

24. Define and differentiate between Norm - referenced and Criterion - reference test with suitable examples.

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से प्रतिनिधि-रैफरन्स और क्राइटिरिअन-रैफरन्स परीक्षण को परिभाषित कीजिए और उनमें अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

25. How do you measure Intelligence ? Discuss the Non-Verbal Test of Intelligence.

प्रज्ञा का मापन आप किस प्रकार करेंगे? प्रज्ञा का वाग्तेर परीक्षण की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

(Educational Technology)

ऐच्छिक – III

21. What are the components of Educational Technology ? Discuss with examples.

शैक्षणिक तकनीक के कौन-कौन से घटक है? उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए।

22. Elaborate the main features of teaching at understanding level.

बोधन के स्तर पर शिक्षण के मुख्य लक्षणों को विस्तार से बताइए।

23. What is micro-teaching ? Explain any five teaching skills, essential for successful teaching.

माइक्रोटीचिंग क्या है? सफल शिक्षण के लिए आवश्यक पाँच कौशलों की व्याख्या कीजिए।

24. What do you understand by Models of teaching ? Elaborate the features of any one model in Information Processing family.

शिक्षण पद्धति से आप क्या समझते हैं? इनफारमेशन प्रोसेसिंग परिवार के किसी एक पद्धति के लक्षणों को विस्तार से लिखिए।

25. Explain the modes and barriers of Communication process.

संप्रेषण प्रक्रिया की विधियों एवं अवरोधों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

(Special Education)

ऐच्छिक – IV

21. Discuss the objectives and importance of Integrated education in India.

भारत में एकीकृत शिक्षा के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिए।

22. Elaborate the various educational programmes for mentally retarded children.

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए विभिन्न शैक्षिक प्रोग्राम का विशद रूप से विवेचन कीजिए।

23. Explain the characteristics of Hearing impaired children and suggest some educational programme for them.

बहरे बच्चों के लक्षणों की व्याख्या कीजिए तथा उनके लिए कोई शैक्षिक कार्यक्रम के बारे में सुझाव दीजिए।

24. Discuss various educational programmes for different types of orthopaedically handicapped children.

विभिन्न प्रकार के विकलांग बच्चों के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की चर्चा कीजिए।

25. Define 'Learning disabilities'. Identify learning disabled children and suggest educational programme for them.

अधिगम विकलांगता की परिभाषा दीजिए। अधिगम विकलांग बच्चों की समस्याएं क्या हैं उनके शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सुझाव दीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

(Teacher Education)

ऐच्छिक – V

21. Discuss the objectives and significance of Teacher Education in India according to NPE, 1986.

एन.पी.ई 1986 के अनुसार भारत में शिक्षक शिक्षा के लक्ष्यों एवं महत्त्व की चर्चा कीजिए।

22. Briefly analyse the historical perspective of Teacher Education in India according to the recommendations of various Education Commissions.

भारत में विभिन्न शिक्षा आयोगों की संस्तुतियों के अनुसार शिक्षक शिक्षा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए।

23. Elaborate the faculty improvement programme for quality enhancement of Teacher Education.

शिक्षक शिक्षा की गुणात्मक वृद्धि के लिए फैकल्टी इम्प्रूवमेंट कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताइए।

24. Discuss the modalities of Pre-service Teacher Education in India.

भारत में पूर्व-सेवा-शिक्षक शिक्षा के रूपों की चर्चा कीजिए।

25. Critically examine the recent trends on researches of Teacher Education in India for modification of Teachers' behaviour.

भारत में शिक्षकों के व्यवहार में परिवर्तन के लिए शिक्षक शिक्षा शोध की आधुनिक प्रवृत्तियों पर आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Role of environmental education for sustainable development.

पुष्ट विकास के लिए पर्यावरण शिक्षा की भूमिका

OR / अथवा

Relevance of Human Rights Education.

मानवाधिकार शिक्षा का महत्त्व

OR / अथवा

Quality improvement of teacher education.

शिक्षक शिक्षा का गुणात्मक सुधार

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....